खबर संक्षेप

नगर परिषद के तत्वाधान में अहीर नर्तक दलों को किया गया पुरस्कृषत

भुआबिछिया। नगर परिषद भुआ बिछिया क्षेत्रांतर्गत प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री गांधी मेले का आयोजन 30 जनवरी से 12 फरवरी तक अनवरत जारी है, जिसका मड़ई उत्सव कार्यक्रम बीआरसी प्रांगड़ में रखा गया जिसमें सामाजिक संस्कृति के अनुसार यादव समाज के द्वारा विधि-विधान से चण्डी पूजन किया गया इसके पश्चात दूर-दराज से 50 ग्रामों के अहीरों ने शिरकत करते हुए धूम मचा दी। आए हुए अहीरों ने मेले में झूमते हुए नृत्य किये, नर्तक दलों के द्वारा परम्परा अनुसार नृत्य प्रतियोगिता रखी गयी जिसमें प्रथम पुरस्कार बारिहा केव लारी जिसके दल प्रमुख को प्रदान किया गया इसी क्रम में द्वितीय पुरस्कार लपटी जिसके दल प्रमुख नैनसिंह यादव, तृतीय पुरस्कार विजेता बिछिया को प्रदान किया गया, नर्तक दलों के द्वारा विशेष साज-सज्जा एवं वेष-भूषा से परिपूर्ण टोलियों में झूम-झूमकर नृत्य करते हुए उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया जिसकी छटा देखते ही बनी। पुरस्कार वितरण प्रतीक चिन्ह एवं नगद राशि भेंट स्वरूप प्रदान की गयी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रजनी मरावी उपाध्यक्ष रानू रणधीर सिंह राजपूत, शशि कांत श्रीवास्तव विकाश गवले, नारायणी साहू प्यारे लाल, पूनम रजक विकाश पांडे, मुकेश श्रीवास, नरेश राजपूत, योगेश यादव, अशोक यादव सहित सभी जन उपस्थित थे सभी ने यादव समाज के मुखियाओं का तिलक वंदन कर स्वागत किया गया।

पूर्व सांसद डॉ. ढाल सिंह बिसेन के निवास पर हुई अहम बैठक

रेल व सड़क विकास को लेकर पहल

* अथर्व सिंह ने दी विधिवत जानकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

महाकौशल क्षेत्र के रेल व सड़क विकास को लेकर पिछले छह वर्षों से निरंतर सक्रिय रेल एक्टिविस्ट अथर्व सिंह ने एक बार फिर क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को राष्ट्रीय स्तर तक सशक्त बनाने की दिशा में ठोस पहल की है। हाल ही में बालाघाट–सिवनी के पूर्व सांसद माननीय डॉ. ढाल सिंह बिसेन के निवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें रेलवे एवं सड़क विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर भविष्य की कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार की गई।

बैठक में विशेष रूप से मंडला जिला मुख्यालय स्थित मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय टर्मिनल के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया। वर्तमान में मंडला फोर्ट स्टेशन पर रेल विस्तार अधूरा होने के कारण क्षेत्रवासियों को आवागमन में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

अथर्व सिंह ने बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे, जिनमें अतिरिक्त लूप लाइन व साइडिंग लाइन का निर्माण, रेक पॉइंट का स्थानांतरण कर प्लेटफार्म क्रमांक 3 एवं 4 का निर्माण, सभी ट्रेनों की सफाई एवं मेंटेनेंस हेतु तकनीकी अमले की स्थापना तथा मंडला–सिवनी–छिंदवाड़ा–आमला 295 किमी रेल मार्ग के दोहरीकरण जैसे विषय शामिल रहे।

मंडला फोर्ट तक ट्रेनों के विस्तार की मांग

अथर्व सिंह ने मंडला फोर्ट स्टेशन तक कई ट्रेनों के विस्तार की मांग रखते हुए कहा कि इससे मंडला, डिंडोरी, बालाघाट और आसपास के जिलों को सीधा लाभ मिलेगा। प्रमुख प्रस्तावों में इंदौर–नैनपुर पेंचवेली एक्सप्रेस (19343/19344) का नैनपुर से मंडला फोर्ट तक विस्तार, सिवनी–फिरोजपुर पातालकोट एक्सप्रेस (20423/20424) का मंडला फोर्ट तक विस्तार, सिवनी–बैतूल पैसेंजर, छिंदवाड़ा–नैनपुर पैसेंजर का मंडला फोर्ट तक विस्तार, नैनपुर–मंडला के बीच प्रतिदिन 4 से 5 पैसेंजर ट्रेनों का संचालन, जबलपुर–नैनपुर पैसेंजर का रात्रिकालीन विस्तार मंडला फोर्ट तक एवं मंडला–जबलपुर नई पैसेंजर ट्रेन की शुरुआत शामिल है।

नई ट्रेनों के प्रस्ताव

बैठक में मंडला से देश के प्रमुख महानगरों को जोड़ने के लिए नई ट्रेनों के प्रस्ताव भी रखे गए, जिनमें मंडला से नागपुर–पुणे–बेंगलुरु तक "कान्हा एक्सप्रेस", मंडला से भोपाल–उज्जैन–इंदौर तक "नर्मदा महाकाल एक्सप्रेस", लखनऊ–जबलपुर चित्रकूट एक्सप्रेस का मंडला फोर्ट तक विस्तार, मंडला–इतवारी–मंडला नियमित एक्सप्रेस ट्रेन का प्रतिदिन संचालन प्रमुख हैं।

नई ब्रॉडगेज रेल परियोजनाएं भी चर्चा में

अथर्व सिंह ने मंडला को रेल मानचित्र पर केंद्र में लाने के लिए चार बड़ी ब्रॉडगेज रेल परियोजनाओं को शीघ्र प्रारंभ करने की आवश्यकता बताई, जिनमें गोटेगांव–अमरकंटक–पेंड्रा, बिलासपुर–मुंगेली–मंडला–जबलपुर, राजनांदगांव–कवर्धा–मंडला–जबलपुर तथा रायपुर–कवर्धा–मंडला–जबलपुर रेल मार्ग शामिल हैं।

सड़क विकास पर भी जोर

बैठक में मंडला जिले से जुड़े प्रमुख राज्यमार्गों एवं राष्ट्रीय राजमार्गों को 4 लेन हाईवे में परिवर्तित करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। मंडला–घंसौर–लखनादौन, मंडला–नैनपुर–सिवनी, मंडला–शहडोल–उमरिया सहित कई मार्गों पर बढ़ते यातायात दबाव और दुर्घटनाओं को देखते हुए चौड़ी सड़कों एवं ओवरब्रिज निर्माण की आवश्यकता बताई गई।

अंत में पूर्व सांसद डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने सभी प्रस्तावों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित मंत्रालयों एवं रेलवे बोर्ड के समक्ष मजबूती से रखने का आश्वासन दिया। बैठक को महाकौशल क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

'परीक्षा पर चर्चा' के नवम संस्करण का सीधा प्रसारण

* प्रधानमंत्री ने दिये परीक्षा के तनाव को दूर करने के टिप्स।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'परीक्षा पर चर्चा' के नवम संस्करण का सीधा प्रसारण विद्यार्थियों ने देखा और सुना। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने परीक्षा के तनाव को दूर करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और समय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बहुमूल्य टिप्स सुझाए।

मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. संजय कुशराम ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा को उत्सव की तरह लेना चाहिए और बिना किसी मानसिक दबाव के अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना चाहिए। कार्य को स्मार्ट तरीके से करें और अनवरत करें, यही सफलता का मंत्र है। इस दौरान एसी ट्राइबल श्रीमती वंदना गुप्ता ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के मन से परीक्षा का भय निकालना है। छात्र आत्मविश्वास को हमेशा ऊंचा रखें।

जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े ने मोबाइल से दूर रहने और लिखकर याद करने की सलाह दी। करियर काउंसलर श्री अखिलेश उपाध्याय ने कहा कि अपना श्रेष्ठ देना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। इम्तिहान इंसान को परिपक्व बनाते हैं। परीक्षा एक पड़ाव है मंजिल नहीं। इस अवसर पर शिक्षक, छात्र-छात्राएं और अभिभावक मौजूद रहे।

फूलसागर में सतगुरु कबीर साहेब की प्रतिमा हुई स्थापित

मण्डला। माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर कबीर कुटी निर्माण समिति फूलसागर के तत्वाधान में ग्राम फूलसागर में सतगुरु कबीर साहेब की प्रतिमा की विधिवत स्थापना हुई। इस अवसर पर गांव में आस्था भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य शोभायात्रा से से की गई जो कि प्रमुख मार्गों से होती हुई स्थापना स्थल फूलसागर पहुंची। शोभायात्रा के दौरान साहेब बंदगी, सतगुरु कबीर साहेब की जय के जयघोष गूंजते रहे। पुरुष, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए वहीं महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भजन-कीर्तन कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। शोभायात्रा के पश्चात विधि-विधान के साथ सतगुरु कबीर साहेब की प्रतिमा का अनावरण किया गया। प्रतिमा स्थापना के साथ ही श्रृद्धालुओं ने पुष्प अर्पित कर नमन किया और कबीर साहेब के उपदेशों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। संत कबीर साहेब के दोहे और विचारों का वाचन किया गया जिसमें सामाजिक समरसता सत्य अहिंसा और मानवता का संदेश दिया गया। कबीर कुटी निर्माण समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि संत कबीर साहेब का जीवन और उनका दर्शन आज भी समाज को सही दिशा देने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा स्थापना का उद्देश्य नई पीढ़ी को संत कबीर के विचारों से जोडऩा और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का संदेश देना है।

मंगलसूत्र लूट प्रकरण का त्वरित खुलासा, 03 आरोपिया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

थाना बम्हनी पुलिस द्वारा थाना बम्हनी क्षेत्र अंतर्गत मंगलसूत्र लूट के प्रकरण में बम्हनी पुलिस द्वारा त्वरित विवेचना करते हुए 03आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार कर लूटा गया मंगलसूत्र बरामद करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है। दिनांक 04.02.2026 को प्रार्थिया सुमन्त्रा मरावी, पिता शैलकुमार मरावी, उम्र 40 वर्ष, निवासी जैदेपुर द्वारा थाना बम्हनी में एक हस्तलिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें बताया गया कि तीन अज्ञात महिलाओं द्वारा उनका मंगलसूत्र लूट लिया गया है, जिनमें से एक महिला को वह अपने साथ थाना लेकर आई हैं। आवेदन के आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान दिनांक 04.02.2026 को प्रकरण में आरोपी महिला आरती मरकाम (गिरी) से पूछताछ कर मेमोरेंडम कथन लिया गया, जिसमें उसने अपराध स्वीकार किया। मेमोरेंडम कथन के आधार पर आरोपिया को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पुलिस रिमाण्ड हेतु पेश किया गया।

प्रकरण में अन्य आरोपी अंजली उर्फ शुभो गिरी एवं पूनम गिरी की तलाश पतासाजी की गई, जो ग्राम सिमरिया रेलवे स्टेशन के पास अपने डेरे में मिलीं। दोनों से पृथक-पृथक पूछताछ में उन्होंने बताया कि दिनांक 04.02.2026 को दोपहर लगभग 02:30 बजे बम्हनी बस स्टैण्ड से एक महिला का पीछा कर उसे पकड़ा गया, जिसके पश्चात आरती मरकाम द्वारा महिला का मंगलसूत्र खींचकर निकाल लिया गया, जिसे वे लेकर मौके से फरार हो गईं।

पुलिस द्वारा दोनों आरोपियाओं को मौके से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटा गया मंगलसूत्र बरामद किया गया।

11 दिनों में लौट आई नन्ही सोनिया की मुस्कान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जिले के छोटे से गाँव कोंडरा में रहने वाले एक परिवार के लिए वह दिन चिंता से भरा था, जब उनकी 2 माह की नन्ही सोनिया कमजोर होती जा रही थी। जन्म के समय मात्र 1.400 किलोग्राम वजन के साथ इस दुनिया में आई सोनिया, अति कुपोषण से जूझ रही थी और माँ का दूध भी ठीक से नहीं पी पा रही थी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की सजगता से सोनिया को जिला चिकित्सालय मंडला के पोषण पुनर्वास केन्द्र लाया गया। यहाँ से शुरू हुई एक उम्मीद भरी यात्रा। एनआरसी प्रभारी डॉक्टर डॉ. कमलेश ठाकुर एवं समर्पित स्टाफ की देखरेख में सोनिया का उपचार एनआरसी गाइडलाइन के अनुसार किया गया। माँ को स्नेह और धैर्य के साथ स्तनपान के लिए प्रोत्साहित किया गया और कंगारू मदर केयर के माध्यम से नन्ही जान को माँ की गर्माहट और सुरक्षा मिली।

दिन बीतते गए, वजन बढ़ता गया और सोनिया की आँखों में चमक लौट आई। 11 दिनों की मेहनत, देखभाल और प्यार के बाद सोनिया पूरी तरह स्वस्थ हो गई। डिस्चार्ज के समय उसका वजन 2.290 किलोग्राम था और वह सफलतापूर्वक स्तनपान कर रही थी। जब सोनिया अपने घर लौटी, तो उसके साथ सिर्फ स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार की खुशियाँ भी लौटीं। सोनिया के पिता की आँखों में राहत और चेहरे पर मुस्कान थी। उन्होंने कहा कि पोषण पुनर्वास केन्द्र में उनकी बच्ची को नया जीवन मिला, जिसके लिए वे शासन, प्रशासन और अस्पताल की पूरी टीम के आभारी हैं।

यह कहानी सिर्फ एक बच्ची के स्वस्थ होने की नहीं, बल्कि समय पर मदद, संवेदनशील व्यवस्था और मानवीय देखभाल से जन्मी खुशियों की दास्तान है।

मांग | खड़देवरा में कम नामांकन वाले प्राथमिक विद्यालयों के संचालन पर सवाल।

युक्तियुक्तकरण को लेकर हुई मांग तेज

* शासन पर लाखों रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार।

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

विकासखंड मण्डला अंतर्गत ग्राम खड़देवरा में संचालित प्राथमिक शाला आवास कालोनी खड़देवरा एवं जनपद प्राथमिक शाला खड़देवरा में लगातार बच्चों की दर्ज संख्या घटती जा रही है। बताया जा रहा है कि एक से डेढ़ किलोमीटर के दायरे में तीन से चार शासकीय प्राथमिक विद्यालय एवं एक निजी विद्यालय संचालित होने के कारण इन स्कूलों में नामांकन बढ़ने की संभावना अत्यंत कम है। यह स्थिति पिछले तीन–चार वर्षों से बनी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्राथमिक शाला आवास कालोनी खड़देवरा में वर्तमान में मात्र 07 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जबकि वहां 02 शिक्षक पदस्थ हैं। इसी प्रकार जनपद प्राथमिक शाला खड़देवरा में 08 विद्यार्थी एवं 02 शिक्षक कार्यरत हैं। नामांकन की अत्यंत कम संख्या के बावजूद दोनों विद्यालयों का संचालन होने से शासन पर लाखों रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ रहा है।

शिक्षा विभाग के जानकारों का कहना है कि शासन की मंशा के अनुरूप यदि एक किलोमीटर की परिधि में कोई अन्य शासकीय विद्यालय संचालित है, तो कम नामांकन वाले विद्यालयों का मर्ज (युक्तियुक्तकरण) किया जाना चाहिए। इससे न केवल अनावश्यक व्यय पर रोक लगेगी, बल्कि अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना उन विद्यालयों में की जा सकेगी, जहां शिक्षकों की वास्तविक कमी है।

इस संबंध में मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल द्वारा पत्र क्रमांक एफ-44/4/2013/20-2/8567 दिनांक 12/09/2013 जारी कर शालाओं के युक्तियुक्तकरण के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। आदेश के अनुसार जिन प्राथमिक शालाओं में नामांकन 20 से कम तथा माध्यमिक शालाओं में 10 से कम है, वे निर्धारित मापदंडों को पूर्ण नहीं करतीं और शासन पर अतिरिक्त वित्तीय भार डालती हैं।

निर्देशों में यह भी उल्लेखित है कि संस्था प्रमुखों के अतिशेष होने पर उन्हें आवश्यकता वाली संस्थाओं में पदांकित किया जाए तथा युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया शैक्षणिक सत्र की समाप्ति के पश्चात ही की जाए, सत्र के मध्य नहीं। स्थानीय स्तर पर अब यह मांग उठने लगी है कि खड़देवरा के इन कम नामांकन वाले विद्यालयों का शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप युक्तियुक्तकरण किया जाए, ताकि शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं संसाधन-संतुलित बनाया जा सके।

इनका कहना है -

राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार कम दर्ज संख्या वाले स्कूलों की जानकारी भेजी गई है। आगामी निर्देश प्राप्त होते ही इन स्कूलों को एक किलोमीटर के दायरे में स्थित विद्यालयों में मर्ज किया जाएगा।

-कुलदीप कठल, डीपीसी, मण्डला

अधूरे काम से रहवासी परेशान

मण्डला। नगर पालिका के द्वारा तिलक वार्ड में नाली निर्माण का कार्य किया जा रहा है। जहां पर 2 फरवरी से मुख्य मार्ग को बंद कर दिया गया है। जिससे स्थानीय कॉलोनीवासी परेशान हो गए हैं उनके आने जाने का मुख्य मार्ग बंद पड़ा है। वहीं विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय आने-जाने वाले अधिकारी कर्मचारी और शिक्षक भी परेशान हो गए हैं यहीं नही उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र-छात्राएं भी यहीं से आना जाना करते हैं। सभी परेशान हैं लेकिन ठेकेदार के द्वारा लापरवाही बरती जा रही है और अब तक कार्य को पूर्ण नही करते हुए अधूरा छोड़ा गया है पूरे मार्ग में मलमा पड़ा हुआ है लोग परेशान हैं स्थानीय नागरिकों ने बताया कि यह नगर पालिका के जबावदार अधिकारी के साथ पार्षद और ठेकेदारों की लापरवाही है। जिसका खामियाजा आमजन को उठाना पड़ रहा है।

जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल के द्वारा सत्र 2025-26 की हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी व अन्य परीक्षायें 10 एवं 13 फरवरी से आयोजित हो रही है। परीक्षा अवधि में परीक्षा केन्द्रों के आस-पास ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग होने से न्यूसेंस पैदा होने की आशंका है, इस कारण परीक्षार्थियों को परीक्षा देने में कठिनाई हो सकती है। जिले के समस्त परीक्षा केन्द्रों एवं परीक्षा केन्द्रों के 200 मीटर की परीधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 अंतर्गत के अंतर्गत कानून व्यवस्था सुचारू रूप से संचालन करने के लिए साम्प्रदायिक सदभाव, लोक व्यवस्था बनाये रखने के लिए असामाजिक तत्वों एवं शरारती तत्वों को पूर्णतः प्रतिबंधित करने की आवश्यकता है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री सोमेश मिश्रा द्वारा प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के तहत कोई व्यक्ति, राजनैतिक दल, छात्र, कर्मचारी संगठन, संघ, ट्रेड यूनियन तथा अन्य कोई संघ, संगठन उपर्युक्त उल्लेखित परिसरों की सीमा से 200 मीटर के अंदर जुलूस, धरना प्रदर्शन, आमसभा, नारेबाजी भूख हड़ताल, आमरण अनशन नहीं करेगा और न ही किसी प्रकार के अनुचित संसाधनों का प्रयोग करेगा। उपर्युक्त उल्लेखित परिसरों तथा संपूर्ण जिला की सीमा में अधिक कोलाहल वाले ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग प्रतिबंधित किया गया है तथा रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जावे।

सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार, कार्यपालिक दण्डाधिकारी अपने अनुविभाग, तहसील के संपूर्ण क्षेत्रों के लिये निशिद्ध अवधि में क्षेत्र के थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी, नगर निरीक्षक की अनुशंसा के आधार पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों की अनुज्ञा देने के लिए सक्षम होंगे।

लाईन आर्डर की स्थिति संभालने पहुंचे नये नवेले अधिकारियों की दिखी नाकामी ..?

कार एक्सीडेन्ट में घायल तीन में से एक युवक की मौत होने पर लोगों में फैला आक्रोश, गुस्साये परिजनों द्वारा स्टेट हाइवे पर किया चकाजाम

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा

नगर के लोगों में बीते हुये बुधवार की देर शाम दहशत के साथ आक्रोश का महौल उस समय देखने मिला था जब नगर की बिगड़ी हुई यातायात की सच्चाई को उजागर करते हुये पुलिस थाने से मात्र चंद कदम दूरी पर एक कार चालक द्वारा अपनी कार को शराब के नशे में धुत्त होकर तीन युवकों रौंद डाला था। इस तरह पुलिस थाने के समीपस्थ घटित हुई यह घटना नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र में आग की तरह फैलने से नही चूक पाई थी। वही दूसरी ओर इस घटना में घायल हुये तीनों युवकों को उपचार हेतु जब शासकीय चिकित्सालय लेकर पहुंचे तो वहां पर लोगों की भीड़ एकत्र होने के चलते हंगामा की स्थिति निर्मित होते हुये दिखाई देने से नही चूक रही थी। बताया जाता है कि बीते हुये बुधवार को की शाम नगर के साहिल पिता राधे कहार उम्र 20 वर्ष, धीरज पिता कमलेश कहार उम्र 27 साल दोनों निवासी पटैल वार्ड तथा रोहित पिता रंजीत भटरेले उम्र 27 साल निवासी शिवाजी वार्ड जब अपने काम से कही जा रहे थें। उसी दौरान स्टेशन से पलोटन गंज की ओर तेज गति से दौड़ते हुये आ रही एक कार द्वारा इन तीनों युवकों को रौदते हुये खुद भी एक नाली में समाने से नही बच पाई थी। इस तरह घटना में घायल हुये युवकों को जब उपचार के लिये चिकित्सालय ले जाया गया था तो डाक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद दो युवकों की स्थिति गंभीर होने के चलते जिला चिकित्सालय के लिये रेफर किया गया था। इस तरह जिला चिकित्सालय भेजे गये घायल रोहित पिता रंजीत भटरेले उम्र 27 साल को वहां से जबलपुर भेज दिया गया था। मगर वहां पर भी स्थिति में किसी तरह का सुधार न होने के कारण गुरूवार को जब रोहित के परिजन उपचार के लिये नागपुर ले जा रहे थें तो युवक की रास्ते में ही मौत हो गई। इस तरह कार एक्सीडेन्ट में रोहित की मौत होने की खबर सुनते ही जहां परिजनों सहित सामाजिक लोगों में आक्रोश फैल गया। वही पुलिस द्वारा मृतक रोहित का जब पोस्ट मार्टम कराया गया तो इस दौरान लोगों के आक्रोश व स्थिति के चलते भारी पुलिस बल तो तैनात कर दिया गया था। मगर इसके बाद मृतक के परिजनों द्वारा घटना को लेकर अपना आक्रोश व्यक्त करते हुये नगर के मुख्य मार्ग से पुलिस प्रशासन के विरोध में नारे बाजी करते हुये शव को स्टैट हाईवे पर ले जाने के बाद मृतक के घर के सामने लगभग एक घंटे तक चकाजाम करते हुये सड़क पर बैठे रहे। इस तरह किये गये चकाजाम के दौरान देखा गया कि इस मार्ग पर दोनों ओर भारी वाहनों की लम्बी लाईन लगी हुई देखने मिली। इस तरह नगर की बिगड़ती हुई कानून स्थिति के संभालने के लिये जब पुलिस के जिम्मेदार अधिकारी बर्दी धारण किये हुये मौके पर पहुंचते तो उनके सिर से टोपी गायब रहना जहां अनुशासन हिनता की सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रहा था। इस नगर नगर में घटित हुई इस घटना ने शहर की यातायात व्यवस्था से लेकर बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था की सच्चाई को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। वही घटना की सच्चाई जानने के लिये जब घटना दिवस पर पत्रकारों द्वारा पुलिस अधिकारियों से चर्चा करने का प्रयास किया गया तो वह पत्रकारों से दूरी बनाते हुये नजर आये। कुछ इसी प्रकार का हाल पुलिस अधिकारियों का कल भी देखने मिला। ज्ञात हो कि इस घटना में मृत हुआ युवक जब अपने माता पिता का एकलौता पुत्र था। वही युवक ने अपने परिवार के भरण पोषण के लिये कुछ दिनों पहले ही जूता चप्पल की दुकान खोलकर रोजगार की शुरूआत करते हुये माँ बाप का सहारा बना हुआ था। इस नगर में पुलिस थाने से चंद कदम दूरी पर घटित हुई घटना के साथ साथ हाल मे पेहरों दारों के बदलाब के बीच नगर की कानून व्यवस्था की जो सच्चाई देखने मिल रही है उससे यह प्रतीत होने से नही चूक पा रहा है कि शायद अब इस नगर व क्षेत्र का भगवान ही मालिक होगा..? हाल यह बना हुआ है कि रात के समय जिम्मेदार अधिकारी अपने चैम्बरों से निकलना मुनासिब नही समझ रहे है और अपने अधिनस्थों के भरोसे रात की पेहदारी छोड़कर वरिष्ठ अधिकारियों को फोटोओं के माध्यम से आपने दायित्वों का निर्वाहन करने की औपचारिकता निभाते हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है...? वही दूसरी ओर जनचर्चाओं में यह भी सुनाई देना शुरू हो गया है कि क्षेत्र की पेहरेदारी में हुआ बादलव के चलते ही तो क्षेत्र के लिये अशुभ संकेत देने की शुरूआत तो नही हो गई है...? खैर सच्चाई जो भी हो मगर बीते हुये कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि जिस प्रकार शाम होते ही शहर की सड़को पर बाइकर्सो से लेकर वाहन चालकों की मनमानी के नजारे दिखाई देने की शुरूआत होती है जो देर रात तक जारी रहने के कारण सभ्य लोगों का शहर की सड़को निकलना पूर्णरूप से असुरक्षित हो चुका है..?

सीआईएसएफ जवानों की अनूठी पहल, छात्रा की सर्जरी के लिए जुटाए सवा लाख रुपये

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को सर्वोपरि रखते हुए सीआईएसएफ यूनिट जीएसटीपीपी गाडरवारा ने जिस प्रकार से मानवता की पहल पेश की गई उसको लेकर लोगों द्वारा सराहना की जा रही है। बताया जाता है कि समीपस्थ चीचली में रहने वाली वाली एक14 वर्षीय छात्रा जो रीढ़ की हड्डी की गंभीर विकृति से जूझ रही है, उसकी मदद के लिए सीआईएसएफ के अधिकारियों और जवानों ने हाथ आगे बढ़ाए हैं। बताया जाता है कि अपने पिता के साये से महरूम और आर्थिक तंगी से जूझ रही इस देवी स्वरूपा मासूम कन्या के ऑपरेशन के लिए सीआईएसएफ इकाई ने मात्र दो दिनों के भीतर स्वेच्छा से 1,15,501 रुपये की राशि एकत्रित कर उसके बैंक खाते में जमा कराई है। इस पीड़ित मासूम का जटिल सर्जरी होना है। यह पीडित मासूम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चिचली में कक्षा 10वीं में अध्ययनरत रहते हुये रीढ़ की हड्डी गंभीर रूप से मुड़ गई है, जिससे उसे दैनिक जीवन में काफी कष्ट हो रहा है। प्रदेश की राजधानी भोपाल के चिकित्सकों ने इस सुधारात्मक सर्जरी का खर्च करीब 8 लाख रुपये बताया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत है। लेकिन शेष राशि के लिए परिवार दर-दर भटक रहा था। मासूम बेटी की मां मजदूरी कर अपनी पांच बेटियों का पालन-पोषण कर रही हैं। इस विकट परिस्थिति को क्षेत्र के 'UPAY' एनजीओ ने उजागर किया, जिसके बाद सीआईएसएफ इकाई सक्रिय हुई। बताया जाता है कि दो दिनों में जवानों ने जुटाया कोष इकाई प्रभारी एवं उप कमांडेंट श्रेय कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में जवानों ने करुणा और उत्साह दिखाते हुए अपनी स्वेच्छा से दान दिया। बीते हुये शुक्रवार को मासूम के विद्यालय के प्रधानाचार्य की मौजूदगी में सहायता राशि पीडिता के खाते में भेजी गई। इस अवसर पर पाण्डेय ने कहा कि सीआईएसएफ न केवल औद्योगिक संस्थानों और देश की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन में भी सदैव तत्पर रहता है। सहायता प्राप्त कर सोनम और उसकी मां की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए और उन्होंने पूरी इकाई के प्रति आभार व्यक्त किया। सीआईएसएफ की यह पहल आज पूरे क्षेत्र में चर्चा और प्रेरणा का विषय बनी हुई है।

किसानों के सामने नई परेशानी, मसूर फसल को इल्ली पहुंचा रही क्षति, घेटी कतर कतर गिरा रही जमीन में

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर।

लगातार परेशानियों से जूझ रहे किसानों के सामने हर वर्ष नये प्रकार की परेशानी खड़ी होने से नही चूक पाती है। क्योंकि शायद ही कभी मसूर फसल में इल्ली का प्रकोप सुना गया हो? मगर इस वर्ष बीते हुये कुछ दिनों हो रहे मौसम में अचानक बदलाव व आसमान पर छाये हुये बादलों के चलते चना फसल के साथ साथ अब मसूर फसल में भी इल्ली का प्रकोप देखने मिलना शुरू हो चुका है। क्षेत्र के किसानों द्वारा अपनी जानकारी में बताया है कि जहां बीते हुये दिनों मौसम के बदलाव चलते खेतों में खड़ी हुई मसूर फसल में तेज ठंड के लग जाने के कारण उसका फूल प्रभावित हुआ है तो दूसरी ओर जितना फूल बच गया है उसमें फल लगने की शुरूआत होते ही अब इल्ली का प्रकाप होने के कारण क्षति पहुंचाना शुरू हो गया है। किसानों का कहना है कि मसूर फसल को इल्ली द्वारा उसकी घेटी कुतर कुतर कर जमीन में गिरा रही है। इस तरह मसूर फसल में जहां पहली बार इल्ली का प्रकोप देखने मिल रहा है। इस तरह हर वर्ष किसानों के सामने नई नई मुश्बिते जन्म लेते हुये देखी जा रही है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि मसूर फसल की सुरक्षा के लिये कौन से उपाय किया जावे। क्योंकि मासूर फसल सबसे नाजुक मानी जाती है और यदि कोई कीटनाशक का छिड़काव किया जाता है कि उसकी क्षति पहुंचने का डर सता रहा है।

नगर का पुराना कालेज भवन बना शराबियों का अड्डा, शाम से लेकर देर रात तक यहां पर नशे का सेवन करने वालों की जमी रहती है महफिल...

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जिस शहर में कभी मुश्किल से महुआ की शराब मिलती थी। मगर अब बदले दौर में उसमें भरपूर हर ब्रांड की शराब मदिरा प्रेमियो को उपलब्ध हो रही है। किन्तु नगर में वीयरवार या अहाते न होने की स्थिति में रात में मदिरा प्रेमी युवा पानी पाऊच, डिस्पोजल, नमकीन के पैकिटो से लैस होकर शराब पीने के ठिकाने तलाशते नजर आते है, जिसका नतीजा है कि नगर के वीरान ईलाके तक खुली मधु शालाओं में तब्दील होते जा रहे है। गौरतलब है कि इन दिनों शिक्षा मंदिर कहे जाने वाले पुराने कालेज भवन के कमरो, खेल मैदान, उसके पास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बने हुए मंच पर शराब पीने की अत्याधिक शोक रखने वाले युवाओं की भीड़ जुटने लगती है और जैसे तैसे रात गहराती है समूचा पुराना कालेज ग्राउंड परिसर विविध ब्रांडो की शराब की गंध से सराबोर हो जाता है। इस तरह नगर के ुरानें कालेज भवन के सामने लगी लोहे की जाली, कमरों के दरवाजे रोज शराब पीने मचलने वाले युवाओं तोड़ने से भी नही चूक रहे है और पुराने कालेज भवन के कमरो में उनके द्वारा जाम छलकाये जा रहे है। इसी तरह पुराने कालेज ग्राउंड में रात में हाईटेक युवा अपने मदिरा प्रेमी साथियो की महफिले जमा शेरो शायरी पढ़कर आनंदित हो रहे है। हासिल जानकारी के अनुसार पुराने कालेज ग्राउंड ईलाके में इन दिनों शराबियो का जमघट लगने से प्रतिदिन बिखरी खाली शराब की शीशियो, खाली डिस्पोजल, नमकीन के पैकेटो, बुझी सिगरेटों सहित नशे की लत पूरी करने के लिये उपयोग किये जाने वाले इंजेक्शनों की सीरेंज सहित अन्य सामग्री के अम्बार से आस पास की शालाओं में पढ़ने वाली छात्र, छात्राओं, आमजनो को पुराने कालेज ग्राउंड से निकलने में तो दिक्कत होती है साथ ही वातावरण भी प्रदूषित होते हुए देखा जा रहा है। ज्ञात हो कि पुलिस कर्मी पूर्व में अनेक बार डंडा चमकाते हुए शराब पीने के आशिक युवाओं को पुराने कालेज ग्राउंड से रात में बेदखल करते हुये देखा जाता था। मगर इस समय जिस प्रकार से पुलिस की उदासीन कार्य प्रणाली देखने मिल रही है उसके चलते यह जान पड़ने से नही चूक रहा है कि शायद पुलिस द्वारा हर गैर कानूनी कार्य करने वालों को अपनी ओर से छूट प्रदान कर दी गई है जिसके चलते जिसके मन में जो आ रहा है करने पर उतारू होते हुये देखा जा रहा है। इस स्थिति में निश्चित तौर से नगर का भगवान ही मालिक रहते हुये जान पड़ रहा है? गौरतलब है कि नगर के पुराने कालेज का ग्राउंड नपा.के स्वामित्व में है जिसमें बनी बाउन्ड्री बाल बनने के बाद भी उसके गेट खुले रहने से यह खेल मैदान असुरक्षित है। इसी तरह पुराने कालेज का भवन फिलहाल अनुपयोगी उपेक्षित होने की वजह है कि यह जगह शराब प्रेमी युवाओं को जन्नत की तरह नजर आती है, जागरूक नागरिको का कहना है कि पुराने कालेज ग्राउंड पर शराबियो का जमघट लगने का प्रमुख कारण चंद कदम दूरी पर मदिरा मिलना और रात की तन्हाई प्रमुख कारण साबित हो रही है। इस प्रकार की सच्चाई को लेकर शहरवासियो ने नपा.से पुराने कालेज ग्राउंड को सुरक्षित करने और पुलिस प्रशासन से इस खेल मैदान में शराब के शौकीनो की महफिल लगने पर रोक लगाने की गुहार लगाये जाने के बाद भी पुलिस द्वारा इस ओर ध्यान न देना चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ रहा है।

आज भी सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव भी वंचित हैं पक्की सड़क से, कच्चे रास्ते से गुजरने के लिए हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ साईंखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करते हुए उनका भला किया जा रहा है, मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव आज भी पक्की सड़कों से नही जुड पाये है? लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना ने भले ही गॉव गॉव सड़को का जाल विछा दिया हो परन्तु विकासखंड साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाले अनेक गॉव आज भी पक्क्ी सड़क की सुविधा से कोशो दूर दिखाइ्इर पड़ रहे है, जिसके चलते लोगों को आने जाने के लिए परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। क्षेत्र के अनेक ग्रामों में पक्क्ी सड़क न होने से वर्षा काल में आवागमन दूभर हो जाता है और इन गांवों के लोग आज भी अपने आप को आज से 15 वर्ष पूर्व की स्थिति के समान महसूस करते हुए देखे जा रहे है? यहां के लोगों का कहना है कि इन ग्रामों में शीघ्र ही पक्की सड़क की सुविधा जनप्रतिनिधियों द्वारा मुहैया करायी जाये जिससे लोगों को शिक्षा स्वास्थ्य जैंसी बुनियादी सुविधाओं के लिये शहर की ओर आवागमन सुगम हो सके। बताया जाता है कि इन ग्रामों के लोगों को आज भी अपनी आवश्यकता की बस्तुओं की खरीद फरोख्त के लिये साईंखेड़ा आना पड़ता है, मगर पक्की सड़क न होने से आवागमन में परेशाानी होती है साथ ही साथ इन गांवों में निवास करने वाले बच्चों का भी शिक्षा स्तर गिरता हुआ देखा जा रहा है, वही स्थिति तो गंभीर उस समय देखी जाते है तब गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लाने की जरूरत पड़ जाती है, क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पिछले कई सालों से वे सड़क का सपना संजोये बैठे हैं कि उनके ग्राम में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सड़क बनेगी परन्तु उनका सपना आज भी पूरा नही हो पाया है, जिसको लेकर ग्रामीणों द्वारा जानकारी देते हुए बताया है कि लगभग एक हजार की आवादी बाले क्षेत्र के ग्राम में पक्की सड़क की सुविधा न होने से विद्याार्थियों के साथ ग्रामीणों को रोड तक आने में दिक्कतों का सामना करते है, ग्रामीण की मांग है कि जल्द ही गॉव को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जोड़ा जाये।

श्री सत्य साई बाबा की रथ यात्रा का आगमन आज

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। नगर की मानव सेवा ही माधव सेवा के उपासक सत्य साई सेवा समिति गाडरवारा में भगवान की जन्मस्थली पुट्टपर्थी (प्रशांति निलयम)से श्री सत्य साई प्रेम वाहिनी रथ यात्रा निकाली जा रही है। जिसका नगर में आज आगमन हो रहा है। भगवान श्री सत्य साईं बाबा की शोभायात्रा कल आज शनिवार को दोपहर 1:00 बजे से नगर के रुद्र पुराने कालेज खेल मैदान से प्रारंभ होकर चावड़ी मार्ग से होते हुये चौकी मुहल्ला, झंडा चौक, सराफा बाजार से निकलते हुये पुराना गल्ला मंडी से राठी तिगड्डा से निकलकर मानस परिसर कामती रोड पर समापन होगा।

विंध्यवासिनी द्वारा 100 टीबी मरीजों के लिये वितरित किया पोषण आहार

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP) के अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान को सशक्त बनाने हेतु सामाजिक सहभागिता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में विंध्यवासिनी माइनिंग वर्क LLP, गाडरवारा द्वारा निक्षय मित्र के रूप में सहयोग प्रदान करते हुए 100 टीबी मरीजों को पोषण आहार वितरित किया गया। बताया जाता है कि टीबी (क्षय रोग) एक संक्रामक बीमारी है, जिसका समय पर परीक्षण एवं नियमित उपचार से पूर्णतः इलाज संभव है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत मरीजों को निःशुल्क जांच, दवाइयाँ तथा निक्षय पोषण योजना के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे मरीजों के पोषण स्तर में सुधार हो सके और उपचार के परिणाम बेहतर हों।पोषण आहार वितरण कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि टीबी मरीजों के लिए संतुलित आहार एवं नियमित दवा सेवन अत्यंत आवश्यक है। कुपोषण टीबी की बीमारी को बढ़ा सकता है, इसलिए समाज के विभिन्न संस्थानों एवं निक्षय मित्रों का सहयोग मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में सहायक सिद्ध हो रहा है।जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा विंध्यवासिनी माइनिंग वर्क LLP, गाडरवारा के इस सराहनीय सहयोग की प्रशंसा की गई तथा अन्य संस्थाओं एवं नागरिकों से भी टीबी मुक्त भारत अभियान में सहभागिता करने की अपेक्षा जताई गई है।

गन्ने की पैदावार कम होने से किसान मायूस

हरिभूमि न्यूज/ कल्याणपुर। इस वर्ष खरीफ फसल सीजन में अल्पवर्षा से क्षेत्र के किसानों की फसले तो तबाह हुई ही है, साथ ही साथ बडे रकबे में लगी किसानों के गन्ने की फसल की पैदावार में भी भारी अंतर आने से क्षेत्र के किसान मायूस हो गए है। जिसको लेकर क्षेत्र के किसानों का कहना है कि पूर्व के वर्षो में एक एकड़ में जिस प्रकार से गन्ने का एबरेज पैदाबार 300 क्विंटल होती थी किन्तु इस साल अल्प वर्षा और किसानों को पर्याप्त बिजली न मिलने से गन्ने की फसल की पैदावार अधिकतम 150 से 200 क्विंटल रह गई है। इस हालत में गौर किया जावे तो वर्तमान में किसानों के साथ क्षेत्र के शुगर मिलों के संचालक भी परेशान है। गौरतलब है कि विगत माह क्षेत्र की शुगर मिलों में काम करने के लिए बाहर से आ चुके है और इन मिलों में किसानों का गन्ना ट्रेक्टर ट्रालियों में बिकने जा रहा है किन्तु शुगर मिलों के संचालको की माने तो उनकी शुगर मिलों में आवश्यकता के अनुसार गन्ने की आवक नही हो रही है। बताया जाता है कि फिलहाल क्षेत्र की शुगर मिलों में किसानों से गन्ने की खरीद कम दर होने से गन्ना उत्पादक किसान निराश है। किसानों का कहना है कि गन्ने की कम पैदावार होने से बैसे भी किसान हलाश है ऐसी स्थिति में किसानों को गन्ने की बाजिब कीमत मिलना जरूरी है।

बिजली विभाग की लापरवाही से घटित हो सकती है किसी दिन बड़ी घटना?

हरिभूमि न्यूज/ कौड़िया। इस समय देखा जा रहा है कि जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा किसानों के जरा भी बिजली बिल यदि बकाया होते है तो उन्हें नोटिस देने के साथ साथ तुरंत बिजली लाईन काटने व संपत्ति कुर्क करने में देरी नही करता है? मगर वही दूसरी ओर बिजली विभाग के लापरवाही के चलते क्षेत्र के किसानों को समय पर न तो पर्याप्त बिजली मिल पा रही है? और न ही बिजली लाईनों का रख रखाब किया जा रहा है जिसके कारण आम लोगों की जिन्दगी को पूर्ण रूप से खतरे की घंटी बजते हुए देखी जा रही है? इस संबंध में बताया जाता है कि अनेक जगहों पर बिजली विभाग द्वारा सड़क किनारे पर जो डी पी रखी गई है उनमें सुरक्षा के हिसाब से न तो कटटायूट लगाये गये है और न ही पेटी, जिन जगहों पर यदि कट टाऊट लगाये भी गये है उनकी उंचाई इस प्रकार से देखी जा रही है कि कोई भी बच्चा आसानी से उन्हें पकड़कर अपनी जिन्दगी दाव पर लगा सकता है? इस बात की सच्चाई इस समय ग्राम कौडिया सहित अन्य जगहो पर आसानी से देखने मिल रही है, जिसके चलते लोगों की जिन्दगी को पूर्ण रूप से खतरा मड़राते हुए नजर आ रहा है? बताया जाता है कि इस प्रकार से बिजली विभाग के लापरवाह रवैया के चलते जहां लोग खतरे के बीच अपनी जिन्दगी व्यतीत कर रहे है, वही मुख्य रास्ते के किनारे पर रखी हुई डीपियों के चलते राहगीरों को भी खतरा लगने लगा है? इस स्थिति के चलते कभी भी कोई बड़ी घटना घटित होने से इंकार नही किया जा सकता है? यदि बिजली विभाग की लापरवाही से किसी दिन घटना घटित होती है तो इसका जिम्मेदार बिजली विभाग ही होगा।

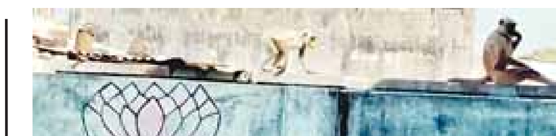

बंदरो की दहशत से गांवों में मचा हाहाकार

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा । वर्तमान में दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा सहित क्षेत्र के गांवो के किसानो की विकसित हो रही फसलों को जंगली सुअर और आवारा जानवर तबाह कर रहे। वही गांवो में झुंडो में उछल कूंद कर रहे बंदरो की दहशत से शहर के नजदीक के गांवो में हाहाकार मचा हुआ है। क्षेत्र के किसानों ने बताया कि उनके खेतों रबी, गन्ने की फसल को जंगली सुअरों से अधिक बंदर नुकसान पहुँचा रहे है, मटर, गन्ने की फसल को चौपट करने वानरो को बिल्कुल देर नही लगती, साथ ही फल, सब्जियों की फसल पर भी इनके आक्रमण का सिलसिला जारी रहने से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाने मजबूर होना पड़ रहा है। इसी प्रकार से नगर सांईखेड़ा के लोगों का कहना है कि शहर में बंदरों के आंतक के चलते लोग परेशान हो रहे है। क्योंकि महिलाओं द्वारा अपने छतों पर कोई भी सामग्री सूखने या फिर कपड़े डाले जाते है तो बंदरों का झुंड उन्हें क्षति पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ते है। कुछ इसी प्रकार से क्षेत्र के किसानों का कहना है कि गांवों में बंदरो के आतंक को खत्म करने वन विभाग के अधिकारियों से कई बार गुजारिश की गयी किंतु अभी तक वन विभाग की ओर से जंगलों से पलायन कर गांवों में बंदरो पर अंकुश लगाने की दिशा में कदम नहीं उठाया गया, जिसका परिणाम है कि फिलहाल बंदर किसानो की फसलों को नुकसान पहुँचा रहे है।

खबर संक्षेप

मोटर साइकिलों की आमने सामने भिड़ंत में दो लोग गंभीर रूप से घायल

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर पालिका अंतर्गत वार्ड क्रमांक 7 ज्योति पंप के सामने दो मोटरसाइकिलों के आमने सामने हुई भिड़ंत मे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद एक घायल को गंभीर चोट होने के कारण जिला अस्पताल अनूपपुर के लिए रेफर किया गया। घटना के बारे में बताया जाता है कि बुढानपुर निवासी पति पत्नी दो पहिया वाहन से बाजार की ओर जा रहे थे सामने से तेज गति से आ रहे दो पहिया वाहन चालक के बीच दुर्घटना हो गई। युवक के नाक एवं सिर मे चोट आई। अधिक खून बहने से रेफर किया गया।

पिकअप चालक ने दो पहिया वाहन सवार को किया घायल

हरिभूमि न्यूज कोतमा। थाना अंतर्गत विचारपुर गांव में तेज रफ्तार पिकअप चालक द्वारा दो पहिया वाहन सवार को ठोकर मार कर घायल कर दिया गया। दुर्घटना से घायल विनोद पटेल 43 वर्ष निवासी लामा टोला की शिकायत पर पिकअप सीजी 12 बीक्यू 4123 के चालक दुर्गा विश्वकर्मा के खिलाफ तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने की धारा 281 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है। बताया जाता है कि विनोद पटेल निवासी लामाटोला से एक कार्यक्रम के लिए विचारपुर जाने के दौरान पिकअप चालक के द्वारा अनियंत्रित गति से चलाकर दुर्घटना को अंजाम दे डाला। घटना के बाद भारी भीड़ एकत्र हो गई जिसके बाद थाने में मामले की जानकारी दी गई।

पाली, चंदिया, बिलासपुर, मानपुर के लिए कलेक्टर प्रतिनिधि नियुक्त

उमरिया। जिले में आयोजित हाईस्कूल,हायर सेकेण्डरी वर्ष 2026 की मुख्य परीक्षा की गोपनीयता एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व केन्द्राध्यक्षों के साथ संबंधित थानों से प्रश्न-पत्र प्राप्त किये जाने से लेकर परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचाने हेतु कलेक्टार धरणेन्द्र कुमार जैन ने पाली, चंदिया, बिलासपुर, चंदिया, मानपुर के लिए कलेक्टर प्रतिनिधि नियुक्त किया है। उन्होंने कहा है कि अधिकारीगण म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल के दिशा-निर्देशानुसार कार्य करना सुनिश्चित करें एवं परीक्षा केन्द्रो के केन्द्राध्यक्षों से समन्वय स्थापित कर निर्धारित समय सारणी अनुसार प्रातः 7 बजे संबंधित थानों में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

पीएम मोदी के कार्यक्रम में छात्र अभिभावक व जनप्रतिनिधि हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। भालूमाडा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमपरीक्षा पर चर्चा में पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल भालूमाडा के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा के तनाव से मुक्त कर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन कर माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की गई।

परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में विधायक ओंकार सिंह मरकाम ने किया विद्यार्थियों का मार्गदर्शन

डिंडोरी

परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत 6 फरवरी 2025 को सांदीपनी शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, डिंडोरी (धनुवासागर) परिसर में मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक ओंकार सिंह मरकाम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय परिवार द्वारा विधायक महोदय का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।अपने संबोधन में विधायक ओंकार सिंह मरकाम ने विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान तनावमुक्त रहने, सकारात्मक सोच बनाए रखने तथा नियमित अध्ययन की आदत विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि परीक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। आत्मविश्वास, समय प्रबंधन और अनुशासन के साथ की गई तैयारी से निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होती है।

विधायक महोदय ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने और असफलता से निराश न होने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने छात्रों से संवाद करते हुए प्रश्न भी पूछे, जिनके उत्तर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक दिए। छात्रों की जिज्ञासाओं और समस्याओं का समाधान विधायक महोदय ने सरल एवं प्रेरणादायक शब्दों में किया।उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उज्वल भविष्य के लिए उनका सहयोग अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में विधायक महोदय ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की सलाह देते हुए अपने गांव एवं समाज में नशा मुक्ति का संदेश फैलाने का आह्वान किया।इस अवसर पर विधायक महोदय ने विद्यालय का कक्षा भ्रमण कर छात्रों से संवाद किया तथा विद्यालय के लिए खेल सामग्री एवं क्रिकेट किट उपलब्ध कराने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य जे.एस. मरकाम सहित शिक्षकगण एस. उइके, मनीष कुमार सोनी, डॉ. महिताप सिंह धुर्वे, डॉ. कंचन बर्मन, मेनका यादव, रूपा सिंह ठाकुर, सुलोचना परस्ते, विनय कुमार बिल्थरे एवं अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत कोसमघाट में प्रशासनिक लापरवाही चरम पर

कार्यदिवसों में भी पंचायत कार्यालय में लटका रहता है ताला

शहपुरा। सरकार भले ही गांव-गांव तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के दावे कर रही हो, लेकिन मेहंदवानी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत कोसमघाट की जमीनी हकीकत इन दावों को खोखला साबित कर रही है। यहां कार्यदिवसों के दौरान भी पंचायत कार्यालय में ताला लटका मिला, जबकि सचिव, रोजगार सहायक एवं मोबिलाइज़र जैसे जिम्मेदार कर्मचारी कार्यालय से पूरी तरह अनुपस्थित पाए गए।पंचायत कार्यालय बंद रहने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों पर इसका कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में पदस्थ कर्मचारियों को शासन से नियमित वेतन का भुगतान किया जा रहा है, इसके बावजूद वे अपने कर्तव्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरत रहे हैं।

कार्यालय बंद होने के कारण ग्रामीण न तो अपनी समस्याएं दर्ज करा पा रहे हैं और न ही विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित आवेदन जमा कर पा रहे हैं। मजबूरी में उन्हें बार-बार पंचायत कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं, लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगती है। हालात ऐसे हैं कि प्रमाण-पत्र, पेंशन, आवास योजना एवं रोजगार से जुड़े कार्यों के लिए ग्रामीणों को भटकना पड़ रहा है।गौरतलब है कि शासन के निर्देशों के अनुसार पंचायत कार्यालय में कम से कम एक कर्मचारी की नियमित उपस्थिति अनिवार्य है, लेकिन कोसमघाट पंचायत में इन निर्देशों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। आक्रोशित ग्रामीणों ने मामले की शिकायत जनपद पंचायत एवं जिला प्रशासन से करने की बात कही है और दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

डिंडोरी

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टर सभाकक्ष में मनरेगा, 15वें वित्त आयोग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा एवं विधायक निधि अंतर्गत निर्माणाधीन विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में मनरेगा योजना के अंतर्गत जिला पंचायत, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत एवं वाटरशेड से संबंधित कार्यों के साथ-साथ 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत आंगनवाड़ी भवन, नवीन जनपद पंचायत भवन, अटल ग्राम सुशासन भवन, जल गंगा संवर्धन, तालाब निर्माण, मेढ़ तालाब, ग्रेबियन संरचना, पेयजल कूप, स्टॉप डेम, कूप निर्माण एवं मेढ़ बंधान जैसे निर्माणाधीन कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने जिन एसडीओ एवं सब इंजीनियरों की कार्य प्रगति 60 प्रतिशत से कम पाई गई, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही निर्माण कार्यों में लापरवाही एवं अपेक्षित प्रगति न होने पर सीईओ जनपद पंचायत डिंडोरी, अमरपुर के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत को वेतन रोकने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ को निर्देशित किया कि जिन इंजीनियरों, एसडीओ एवं सहायक परियोजना अधिकारियों द्वारा कार्यों में लापरवाही बरती जा रही है, मनरेगा कार्यों की पूर्णता एवं श्रमिक नियोजन में प्रगति नहीं हो रही है, ऐसे सभी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों का वेतन लक्ष्य पूर्ण होने तक रोका जाए। इस संबंध में अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत श्री पंकज जैन को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।इसके अतिरिक्त सांख्यिकी कार्यालय में पदस्थ श्री अभिषेक बंसल को विधायक निधि अंतर्गत निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण करने तथा कार्यों में प्रगति नहीं होने की स्थिति में कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी कलेक्टर द्वारा दिए गए।कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने स्पष्ट निर्देश दिए कि समस्त निर्माण कार्य आगामी 31 मार्च से पूर्व अनिवार्य रूप से पूर्ण किए जाएं। कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित इंजीनियरों एवं एसडीओ के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आकांक्षी विकासखंड करंजिया के सेक्टर गोरखपुर में पेसा एवं वन अधिकार अधिनियम पर दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

करंजिया। आकांक्षी विकासखंड करंजिया के सेक्टर गोरखपुर में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत पेसा कानून एवं वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों पर ग्राम पंचायत स्तरीय पदाधिकारियों एवं मैदानी कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों और जमीनी स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों को कानूनों की व्यवहारिक एवं प्रक्रियात्मक जानकारी प्रदान करना रहा।प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम सत्र का शुभारंभ उद्घाटन समारोह के साथ हुआ, जिसमें गोरखपुर की सरपंच सहित मोहतरा ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती लक्ष्मी तेकाम तथा 11 ग्राम पंचायतों से आए सरपंच, पंच, रोजगार सहायक, मोबिलाइज़र, आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ता एवं जागरूक ग्रामीणजन उपस्थित रहे।प्रथम सत्र में पेसा अधिनियम की विस्तृत जानकारी दी गई तथा ग्राम सभा को सशक्त बनाने, ग्राम सभा में पारित की जाने वाली योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रक्रिया पर गहन चर्चा की गई। प्रतिभागियों को पेसा अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के माध्यम से ग्राम पंचायतों के अधिकारों एवं दायित्वों से अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण के दौरान अनुसूचित क्षेत्रों में पेसा पंचायत अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। मास्टर ट्रेनर हरिश विश्वकर्मा द्वारा पेसा एवं वन अधिकार अधिनियम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं, जिसमें प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता दिखाई।अंतिम सत्र में आकांक्षी विकासखंड अंतर्गत संचालित 'संपूर्णता अभियान 2.0' की जानकारी नीति आयोग से जुड़े मास्टर ट्रेनर हरिश विश्वकर्मा द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि यह अभियान 28 फरवरी से 14 अप्रैल तक संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत आंगनवाड़ी, शिक्षा, कृषि एवं पशुपालन विभाग से संबंधित सभी इंडिकेटर्स को शत-प्रतिशत पूर्ण करने हेतु समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की गई है।कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने शपथ ली कि वे आंगनवाड़ी केंद्रों, कृषि विभाग सहित अन्य विभागीय इंडिकेटर्स को 100 प्रतिशत सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर पेसा अध्यक्ष, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, पंचायत सहायक, सरपंच-सचिव, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बीसी आरजीएसए श्रीमती सावित्री वालरे, आरजीएसए श्रीमती सरिता अहिरवार, जीआरएस मदन नागवंशी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्ति आंगनबाड़ी सहायिकाओं को दी गई ससम्मान विदाई

शहपुरा–एकीकृत महिला एवं बाल विकास विभाग सेक्टर शहरी शहपुरा अंतर्गत अपना कार्यकाल पूर्ण कर सेवा निवृत हुई आंगनबाड़ी सहायिकाओं को भावपूर्ण ससम्मान विदाई दी गई सेक्टर शाहपुरा अंतर्गत ग्राम रावण कुंड की आंगनवाड़ी सहयिका रामकली बाई एवं ग्राम पड़रिया खुर्द की सहायिका मंत्रीबाई जो कि अपना कार्यकाल पूर्ण करके सेवानिवृत हुई हैं समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं ने शहपुरा नगर के वार्ड क्रमांक एक आंगनवाड़ी में एकृतित होकर उक्त सहायिकाओं का सम्मान पूर्वक विदाई समारोह आयोजित किया पुष्प माला से स्वागत कर उपहार देकर बैंड बाजे के साथ उन्हें विदाई दी डिंडोरी जिले में यह पहला देखने लायक अवसर था जहां आंगनबाड़ी सहायिकाओं को भी शानदार तरीके से सेवानिवृत्ति पर विदाई दी गई सेक्टर सुपरवाइजर प्रतिभा साहू ने कहा कि आंगनवाड़ी पद पर इन सहायकों ने लंबे समय तक सेवा प्रदान की है और अब यह सेवानिवृत हो गई है और इनका भी अधिकार है कि इन्हें ससम्मान विदाई दी जाए यह नई हम सब ने मिलकर प्रारंभ की है जो निरंतर आगे भी चलती रहेगी।

विकासखंड अमरपुर के ग्राम चांदपुर में जल अर्पण दिवस मनाया गया

अमरपुर। विकासखंड अमरपुर के ग्राम चांदपुर में शुक्रवार को जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्थापित नल जल योजना के सफल एवं सुचारू संचालन की खुशी में ग्रामवासियों द्वारा 'जल अर्पण दिवस' उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए स्वच्छ एवं निरंतर पेयजल उपलब्धता पर प्रसन्नता व्यक्त की।कार्यक्रम की शुरुआत स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा निकाली गई जल रैली से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। रैली के दौरान बच्चों ने तख्तियों एवं बैनरों के माध्यम से जल संरक्षण एवं जल संवर्धन का संदेश दिया।जल देवता के प्रतीकात्मक रूप में जल जीवन मिशन अंतर्गत स्थापित घरेलू नल कनेक्शन स्टैंड पोस्ट का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। इसके पश्चात ग्रामसभा के माध्यम से जल जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई।कार्यक्रम के दौरान ग्राम की महिलाओं को जल गुणवत्ता से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा नियमित जल परीक्षण के लिए जागरूक किया गया। ग्राम के सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के उद्बोधन के पश्चात लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री ने जल संरक्षण में आम नागरिकों की भागीदारी पर जोर देते हुए निरंतर एवं सुरक्षित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की बात कही।उन्होंने ग्रामवासियों को नियमित जल प्राप्ति के लिए शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, स्व-सहायता समूह की महिलाएं, शिक्षक, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जिला टास्क फोर्स की बैठक संपन्न, नर्मदा तट अतिक्रमण सहित विभिन्न मामलों पर हुई विस्तृत चर्चा

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स वनमण्डल समिति की बैठक आज 06 फरवरी 2026 को कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई बैठक में नर्मदा नदी के तट के दोनों ओर 5-5 किलोमीटर की परिधि में स्थित अतिक्रमित वन क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त कराने के संबंध में, साथ ही वन-राजस्व ग्राम सीमाओं से जुड़े विवाद, वनाधिकार अधिनियम (एफसीए) 1980 के अंतर्गत प्रकरणों, तथा वनभूमि से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श हुआ।

इसी के साथ बैठक के एजेंडा में वन ग्राम से राजस्व ग्राम में परिवर्तन से जुड़े विषय, वनभूमि पर हुए अतिक्रमण, वनक्षेत्र क्रमांक 634 में राजस्व विभाग द्वारा जारी पट्टों, तथा CFRR एवं IFR से संबंधित प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। एवं आगामी प्रस्तावित कार्यों में प्रगति लाने एवं संबंधित हितग्राहियों को शासन के निर्देशानुसार पात्र हितग्राहियों को वनग्राम घुण्डीसरई के 21 ग्रामवासियों को वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत वन अधिकार पत्र, बसनिया बहुउद्देशीय परियोजना के प्रस्तावित वन भूमि के पहले गैरवनभूमि बनाने हेतु चैकलिस्ट, वन ग्राम से राजस्व ग्राम परिवर्तन के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में डीएफओ अशोक सोलंकी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेन्द्र कुमार जाटव, एसडीओ फॉरेस्ट सुरेन्द्र जाटव, खनिज अधिकारी अशोक नागले सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डिंडोरी पुलिस की बड़ी सफलताः 151 गुम मोबाइल बरामद, कीमत लगभग 32.50 लाख रुपये

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय डिंडोरी के मार्गदर्शन में डिंडोरी पुलिस ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 151 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइल फोनों की अनुमानित कुल कीमत लगभग 32 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अमित वर्मा के निर्देशन तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) के पर्यवेक्षण में की गई। साइबर सेल एवं जिले के समस्त थाना प्रभारियों और पुलिस स्टाफ ने तकनीकी दक्षता, मोबाइल ट्रैकिंग, IMEI ट्रेसिंग एवं डिजिटल निगरानी के माध्यम से विभिन्न जिलों एवं राज्यों से इन मोबाइल फोनों को सफलतापूर्वक रिकवर किया।थाना वार बरामदगी में कोतवाली डिंडोरी से 49, शहपुरा से 34, समनापुर से 30, मेहंदवानी से 10, करंजिया से 10, गाडासरई से 9, बजाग से 6 तथा शाहपुर से 3 मोबाइल फोन शामिल हैं।गुम मोबाइल प्राप्त होने पर आमजन के चेहरों पर खुशी देखने को मिली और लोगों ने डिंडोरी पुलिस के इस सराहनीय प्रयास की खुले दिल से प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 से अब तक डिंडोरी पुलिस द्वारा लगभग 1100 गुम मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 1 करोड़ 59 लाख रुपये है। यह उपलब्धि जिले के नागरिकों के लिए राहत और पुलिस पर बढ़ते विश्वास का प्रमाण है।इस कार्रवाई में जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों के साथ-साथ तकनीकी संसाधनों का कुशल उपयोग करते हुए प्रधान आरक्षक मुकेश प्रधान, पंकज कुशराम, आर. श्याम तिवारी, जगदीश प्रसाद, राम सिंह, सुनील पट्टा, गोविन्द चौरे, रामनंदन सनोडिया, आरक्षक शिवपाल, आर. रविन्द्र कुम्हरे, महेन्द्र धुर्वे, महिला आरक्षक पल्लवी एवं नीतू वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।डिंडोरी पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी का मोबाइल फोन गुम या चोरी हो जाता है, तो तत्काल नजदीकी थाना अथवा साइबर हेल्पलाइन में सूचना दें, जिससे शीघ्र कार्रवाई संभव हो सके।

खबर संक्षेप

गर्भवती महिलाओं के चिन्हांकन हेतु एएनसी जांच शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन एवं बुधवार को विकासखंड नरसिंहपुर अंतर्गत उप स्वास्थ्य केंद्र गोरखपुर में उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं के चिन्हीकरण हेतु एएनसी जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मिश्रा व बीएमओ डॉ. रिचा मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस शिविर में ग्राम गोरखपुर, उसरी, बरपानी एवं कोदरासकला क्षेत्र की कुल 126 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर का उद्देश्य समय पर जांच कर मातृ एवं शिशु के स्वास्थ्य को सुरक्षित करना था।

मंत्री श्री पटेल ने विनायक व्यायाम शाला का भूमिपूजन किया

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने गुरुवार को विनायक व्यायाम शाला सहकारी समिति मर्यादित नरसिंहपुर सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया। उन्होंने नगर में 1932 से संचालित विनायक व्यायामशाला में कुश्ती और खुले व्यायाम के लिए भवन का भूमिपूजन किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि व्यायाम शाला में 20 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्य और आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे, रामस्नेही पाठक, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, अंशुल नेमा, सुदर्शन वैद्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

मंत्री श्री पटेल ने किया मेले का शुभारंभ

स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना होगाः मंत्री

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए उनसे जुड़ी नीतियों तथा चुनौतियों पर युवाओं को गंभीरता से ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि समाज और राष्ट्र के हित में सोचने वाला प्रत्येक नागरिक, चाहे वह किसी भी परिस्थिति में हो, उसे यह आत्ममंथन करना चाहिए कि वैश्विक परिदृश्य में देश की आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन क्यों आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इतिहास हमें प्रेरणा देता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने खादी को स्वावलंबन का प्रतीक बनाया। उनका संकल्प अडिग था। उन्होंने जीवन भर खादी पहनकर यह सिद्ध किया कि स्वदेशी को अपनाना ही सच्ची राष्ट्रसेवा है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हमें विदेशी तकनीकों का उपयोग केवल तभी करना चाहिए, जब वास्तव में उसकी आवश्यकता हो, अन्यथा स्वदेशी संसाधनों, कौशल और उत्पादों को प्राथमिकता देकर ही देश को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया जा सकता है।

हाथों होती है असली हुनर

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाएं सराहनीय कार्य कर रही हैं। वे स्वदेशी उत्पादों का निर्माण कर करोड़ों रुपये का टर्नओवर प्राप्त कर रही हैं, जो महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जिले में ऐसे कई परिवार भी हैं, जो उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं, किंतु अभी तक उनकी उचित पहचान नहीं बन पाई है। ऐसे प्रयासों को सामने लाना और उन्हें सहयोग प्रदान करना आवश्यक है। मंत्री श्री पटेल ने यह भी कहा कि यदि आवश्यकता हो तो तकनीक की सहायता अवश्य ली जानी चाहिए, लेकिन यह समझना होगा कि असली हुनर हमारे हाथों में है, मशीनों में नहीं। तकनीक केवल साधन है, लक्ष्य नहीं।

दुकानों का किया अवलोकन

उल्लेखनीय है कि विचार मंत्री श्री पटेल ने स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में स्वदेशी मेला उन्नत भारत शुभारंभ-स्वर्णिम भारत वर्ष फाउंडेशन (स्वदेशी जागरण मंत्र की इकाई) के शुभारंभ अवसर पर व्यक्त किए। इस अवसर पर अतिथियों ने डॉ. राजकुमार मित्तल द्वारा लिखित स्वदेशी 37 करोड़ स्टार्टअप्स का देश नामक पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने स्वदेशी मेले में लगाई दुकानों का अवलोकन किया। इस अवसर पर महंत बालक दासजी महाराज, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, पूर्व विधायक हाकम सिंह चढ़ार, रामस्नेही पाठक, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, सुनील कोठारी, पीके मिश्रा, सुधीर दाते, कपिल मलैया, श्रीमती मनीषा, उदय सिंह, आरबी सिंह, उपेन्द्र काले, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों के क्षेत्र में मार्केटिंग दूसरी सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि यह विचार करना आवश्यक है कि आखिर स्वदेशी वस्तुओं में ऐसी कौन सी कमी मानी जाती है, जिसके कारण आमजन उन्हें अपनाने में हिचकिचाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीक के क्षेत्र में भारत का स्वयं का ब्रांड खड़ा किया जा सकता है और देश के लोग भी वैश्विक स्तर के ब्रांड विकसित करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि भारत के पास खान-पान सहित अनेक ऐसे उत्पाद हैं, जो अपनी विशिष्टता के कारण विश्व में कहीं और नहीं मिल सकते।

स्वदेशी वस्तुओं को करें उपयोग

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय कंपनियों को विदेशों में जाकर उद्योग स्थापित करने के लिए सहयोग देने की बात कही गई है। अब वह समय आ गया है जब भारत की कंपनियां वैश्विक मंच पर आगे बढ़ते हुए दुनिया के विभिन्न देशों में अपने उद्योग स्थापित करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपनी रोजमर्रा की आवश्यकताओं की सूची बनाकर यह आत्ममंथन करना चाहिए कि वह स्वदेशी वस्तुओं का कितना उपयोग कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से अपनी जिम्मेदारी को समझने का आह्वान करते हुए कहा कि वे स्वयं का स्वरोजगार स्थापित कर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा दें, जिससे देश और समाज दोनों सशक्त बन सकें। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि स्वावलंबन की यह बात केवल वस्तुओं के निर्माण या लाभांश अर्जित करने तक सीमित नहीं है। हमारा स्वावलंबन भारत को यशस्वी बनाकर विश्व में शांति और सद्भाव का संदेश देने के उद्देश्य से है। स्वावलंबी नागरिक ही सम्मान के साथ जीवन जी सकता है और राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। इस अवसर पर तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की बात कही।

खिलाड़ियों को किया सम्मानित

कार्यक्रम में प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने पीजी कॉलेज नरसिंहपुर की महिला फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने नरसिंहपुर जिले के इतिहास के पहले तीन मध्य प्रदेश स्टेट रेफरी करुणा मिश्रा, वंदना यादव एवं दीपचंद कहार, जिले के क्रिकेट के क्षेत्र में पहले सर्टिफाइड महिला कोच प्रगति तिवारी एवं काजल वर्मा, खेलो इंडिया फर्स्ट ट्राइबल गेम्स में चयनित नरसिंहपुर के दो महिला खिलाड़ी रवीना ठाकुर एवं नंदिनी ठाकुर को सम्मानित किया। विदित है कि दोनों महिला फुटबॉल खिलाड़ी रवीना ठाकुर एवं नंदिनी ठाकुर छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर फुटबॉल प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अधिवक्ता समारोह मे पहुंचे मंत्री श्री पटेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला न्यायालय नरसिंहपुर में जिला अधिवक्ता संघ नरसिंहपुर ने क्षेत्रीय विधायक, म.प्र.शासन के पंचायत एवं श्रम विभाग के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल एवं मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन के संरक्षकगण का सम्मान समारोह रखा गया ,जिस अवसर पर मंचासीन कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह, प्रधान एवं जिला न्यायाधीश अखिलेश शुक्ला, पूर्व मंत्री जालम सिंह, जिला अधिवक्ता संघ नरसिंहपुर के अध्यक्ष मुकेश शर्मा, सचिव सुलभ जैन ,पूर्व भा.ज.प.जिला अध्यक्ष अभिलाष मिश्रा रहे। कार्यक्रम में जिला न्यायालय नरसिंहपुर के समस्त न्यायाधीश गण,जिला अधिवक्ता संघ के समस्त पदाधिकारी गण,वरिष्ठ-कनिष्ठ अधिवक्तागण समारोह में उपस्थित हुए, कार्यक्रम को जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष, मंत्री प्रहलाद सिंह ने संबोधित किया तथा सम्मान पत्र का वाचन एवं आभार प्रदर्शन जिला अधिवक्ता संघ नरसिंहपुर के सचिव सुलभ जैन ने किया। जिला अधिवक्ता संघ के समस्त पदाधिकारी गण एवं कार्यकारणी सदस्यगण ने सम्मान-पत्र मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन के संरक्षक को प्रदान किया, इस दौरान मंत्री श्री पटेल ने जिला के अधिवक्तागणों के लिये और भी सुविधाजनक भवन निर्माण हेतु धन राशि उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया है। मणिनागेंद्र फाउंडेशन की ओर से जिला अधिवक्ता संघ नरसिंहपुर के अधिवक्तागणों के लिए फर्निचर के रूप में 200 कुर्सी 200 टेबिल कराई गई थी, जिस के लिए जिला अधिवक्ता संघ नरसिंहपुर ने फाउंडेशन को सम्मानित कर हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया है।

फुआरा चौक पर बने स्थायी प्रवेश द्वार, नगर पालिका अध्यक्ष को समाजसेविकाओं ने सौंपा पत्र

गोटेगांव- धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना की पुण्यभूमि गोटेगांव नगर की पहचान को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से महिला समाज सेवियों ने फुआरा चौक पर भव्य एवं स्थायी प्रवेश द्वार निर्माण की मांग को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पूनम ठाकुर को पत्र सौंपा। यह प्रवेश द्वार धार्मिक क्षेत्र झोतेश्वर परमहंसी गंगा आश्रम पहुंच मार्ग पर प्रस्तावित है, जो नगर की धार्मिक गरिमा का प्रतीक बनेगा। इसी मार्ग पर श्री श्री बाबाश्री का सत्य सरोवर आश्रम भी विद्यमान है। पत्र में उल्लेख किया कि ब्रह्मलीन जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाराज की तपोभूमि परमहंसी गंगा आश्रम गोटेगांव नगर की आत्मा और पहचान है। पूज्य शंकराचार्य जी ने ही गोटेगांव को नया आध्यात्मिक स्वर-राजेश्वरी करते हुए इसे 'श्रीधाम' की संज्ञा दी थी, जिसके कारण यह नगर आज देश-विदेश में श्रद्धा और आस्था के केंद्र के रूप में जाना जाता है। भगवती राजराजेश्वरी त्रिपुरसुंदरी माता का भव्य मंदिर परमहंसी गंगा आश्रम में स्थापित है, वहीं वर्तमान में द्वारिका पीठ के शांकराचार्य अविमुकतेश्वरानन्द सरस्वती एवं शारदा पीठ के शांकराचार्य सदानंद सरस्वती का श्रीधाम गोटेगाँव से गहरा लगवा है। गोटेगांव नगर में प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु, संत-महात्मा एवं पर्यटक दर्शन हेतु आते हैं, किंतु नगर में प्रवेश करते समय कोई स्थायी एवं भव्य प्रवेश द्वार न होने से इसकी धार्मिक पहचान स्पष्ट रूप से परिलक्षित नहीं हो पाती। फुआरा चौक ऐसा प्रमुख स्थान है, जहाँ से झोतेश्वर परमहंसी गंगा आश्रम की ओर श्रद्धालुओं का आवागमन होता है, अतः यहां प्रवेश द्वार का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। अध्यक्ष महोदया से आग्रह किया कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र ही फुआरा चौक पर आकर्षक, भव्य एवं स्थायी प्रवेश द्वार का निर्माण कराया जाए। इससे न केवल श्रद्धालुओं को दिशा-सूचक सुविधा मिलेगी, बल्कि नगर की सुंदरता, गरिमा और धार्मिक पहचान में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि प्रवेश द्वार के निर्माण से नगर एक सुस्पष्ट धार्मिक नगरी के रूप में और अधिक प्रतिष्ठित होगा तथा आने वाली पीढ़ियों को भी अपनी आध्यात्मिक विरासत पर गर्व करने का अवसर मिलेगा।

श्रद्धालुओं को भगवान के दर्शन हो रहे दुर्लभ, ऐतिहासिक राधा कृष्ण मंदिर अतिक्रमण की चपेट में

गोटेगांव नगर स्थित के फुआरा चौक के समीप अति प्राचीनतम मंदिर 100 वर्ष से भी अधिक पुराना राधा कृष्ण मुरलीधर मंदिर के चारों ओर फैले अतिक्रमण के कारण अब वह लुप्त जैसा प्रतीक होता जा रहा है मंदिर को अतिक्रमण की चपेट में आए लगभग 100 वर्ष से ज्यादा हो चुके हैं परंतु योगीश्वर भगवान कृष्ण के मंदिर को अतिक्रमण से मुक्त करने का साहस आज तक कोई भी नहीं कर पाया है और नाही किसी अधिकारीयों ने इस मंदिर को अतिक्रमण से हटाने की दशा में कोई भी अब तक ठोस कदम भी नहीं उठाया है, स्थानीय बुजुर्गों ने बताया स्टेशन के समीप फुआरा चौक नगर पालिका परिषद कार्यालय परिसर के बगल में अति प्राचीन मुरलीधर मंदिर हुआ करता था जोकि यह मंदिर पहले कभी दूर से ही दिख जाया करता था लेकिन आज इस मंदिर के चारों ओर अतिक्रमण ने इस तरह से पैर पसारे की आज यहां पर ऐसा लगता है कि वह मंदिर को जमीन निकल गई या फिर आसमान खा गया, इस मंदिर में योगेश्वर भगवान श्री कृष्णा और राधा जी की अद्भुत प्रतिमा स्थापित थी जिनके दर्शन के लिए भक्तगण आते थे लेकिन विगत कई वर्षों से देखा जा रहा है कि उक्त मंदिर कहां चला गया यह नगर में और भक्तों में चर्चा का विषय बना हुआ है शासन भी इस विषय में मौन धारण किए हुए हैं नगर की अनेक बुजुर्गों ने बताया कि पहले मंदिर में सुबह-शाम पूजा और आरती भी होती थी परंतु बरसों व्यतीत हो जाने के बाद उक्त मंदिर के दर्शन दुर्लभ हो गए हैं नगर में कौतूहल लोग कहते हैं कि इस मंदिर को जमीन निकल गई है या आसमान का गया है नगर के प्राचीन मंदिर का निर्माण 1909 में सेठ गोकुलदासजी के ने करवाया था इस मंदिर के बनने के बाद इसमें पुजारी के द्वारा आरती पूजन वंदन सभी कार्यक्रम संबंध किए जाते थे परंतु धीरे-धीरे इस मंदिर के चारों ओर इतना अतिक्रमण फैल गया है, मंदिर उस अतिक्रमण से ऐसा घिरा की वह लुप्त ही हो गया अब भक्तों को भगवान के दर्शन करना दुर्लभ हो रहे हैं उनकी पूजन वंदना आरती आदि कार्यक्रम नहीं कर पा रहे हैं जिससे आस्था रखने वाले श्रद्धालु बंधुओं में नाराजगी और रोष व्याप्त होने के साथ-साथ इस मंदिर में फैले अतिक्रमण को लेकर जनचर्चा का विषय बना हुआ है *कलेक्टर से अतिक्रमण हटवाने की आस स्थानीय लोगों ने कलेक्टर से इस अती प्राचीन मंदिर के आसपास फैले अतिक्रमण को हटाने की आस लगाई है उनका कहना है कि इस प्राचीन राधा कृष्ण मंदिर के इर्द-गिर्द फैलने वाले 100 वर्ष पुराने अतिक्रमण को मुक्त कराकर राधा मोहन के दर्शन कब सुलभ कराएंगे, इस मंदिर में आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं ने नगरीय प्रशासन सहित जिला प्रशासन से अति प्राचीनतम मंदिर को अतिक्रमण से हटाने की मांग की है ताकि आस्था रखने वाले श्रद्धालु भगवान राधा कृष्ण मोहन के दर्शन कर पूजन अर्चन आरती बंधन करने के साथ-साथ विविध धार्मिक आयोजन कर सकें !

धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

गोटेगांव अंतर्गत ग्राम धर्मनगरी बैलखेड़ी में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और भव्यता के साथ मनाया गया। मां कल्याणी धाम बचई के पूज्य गुरुदेव श्रद्धेय राघवेंद्र सरकार ने कथा के दौरान प्रहलाद चरित्र, सागर मंथन और कर्दम उपख्यान की मार्मिक व्याख्या करते हुए श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। श्रीकृष्ण जन्म के प्रसंग पर गुरुदेव ने बताया कि जब-जब धरती पर अधर्म और अत्याचार बढ़ता है, तब-तब भगवान विष्णु धर्म की रक्षा हेतु अवतार लेते हैं। जैसे ही कथा में कंस के कारागार में भगवान के प्रकट होने का प्रसंग आया और नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयकारे गूंजे, पूरा

पंडाल नृत्य और उल्लास के वातावरण में डूब गया। व्यास ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और उनके द्वारा धर्म स्थापना के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। 1 से 7 फरवरी तक चलने वाले इस सात दिवसीय आध्यात्मिक महोत्सव में वासनपानी, सूरवारी, सहजपुरा, लुरैटा और श्यामखेड़ा सहित आसपास के अनेक गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धर्म लाभ ले रहे हैं। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में लक्ष्मण सिंह पटेल, दीवान सिंह, भगवान सिंह, शेष कुमार, नीलेश सिंह और धर्मेंद्र सिंह सहित समस्त बड़ी बाखर परिवार एवं ग्रामवासी पूरी तन्मयता से जुटे हुए हैं।

चिनकी बोरास बैराज परियोजना को लेकर किसानों में असंतोष

तेंदूखेड़ा विगत दिनों राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ के द्वारा योजना में लगभग 57 गांवों को शामिल नही किए जाने के साथ व्याप्त वीसंगतियों के कारण किसानों ने परीयोजना में जुडे अधिकारियों को तलब किया गया था।भले ही अधिकारियों ने तत्काल की गले की फांस निकालकर किसानों को संतुष्ट कर दिया लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है और इस योजना के संबंध में कुछ प्रश्न जो की निरंतर क्षेत्र वासियों के मन में बने हुए हैं। जैसे किन ग्रामों को उक्त योजना में सम्मिलित किया गया है किन ग्रामों को सम्मिलित नहीं किया गया है। परियोजना अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने का कार्य किस प्रकार से प्रचलन में है? किस प्रकार से किसानों को इस योजना का लाभ मिलेगा? किस प्रकार लोगों को इस पाइपलाइन के माध्यम से पानी मिलेगा ? चिनकी बोरास बराज परियोजना की पाइपलाइन के संबंध में कहा जा रहा है कि जिस प्रकार नल जल योजना से प्रत्येक घर में पानी पहुंचता है। ठीक उसी प्रकार हर एक खेत में इस परियोजना के अंतर्गत पानी पहुंचाया जाएगा किंतु वर्तमान में अभी जिन ग्रामों में पाइप लाइन डाली है। उससे ऐसा प्रतीत नहीं होता है। साथ ही किसानों द्वारा बताया गया कि उक्त योजना से जबलपुर भोपाल नेशनल हाईवे क्रमांक 45 के उत्तर दिशा की ओर के लगभग सभी ग्राम वंचित कर दिए गए हैं। वास्तव में पानी की नितांत आवश्यकता वही है और कहीं ना कहीं इसी समस्या को लेकर भारतीय किसान मजदूर संघ द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल आयोजित की गई थी किंतु प्रशासनिक उदासीनता के चलते अभी तक इस संबंध में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। हमारे प्रतिनिधि द्वारा जब इस पाइपलाइन योजना में प्रभावित भूमि के कृषकों से बात की गई तो उनके द्वारा बताया गया की वर्तमान में किसी प्रकार का कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। किसानों द्वारा सम्बन्धित हल्का पटवारी से पूछे जाने पर उनके द्वारा बताया गया कि हमारे यहां से मुआवजा संबंधी कोई कार्रवाई प्रचलन में नहीं है।ऐसी स्थिति में किसानों की खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचाया गया है एवं किसानों को मुआवजा भी नहीं उपलब्ध कराया गया है साथ ही पाइप लाइन के संबंध में भूमि अधिग्रहण के संबंध में भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

शिक्षा मंत्री से मिले अतिथि शिक्षक, सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा शुक्रवार को एक स्कूल में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में पहुंचे प्रदेश के परिवहन एवं शिक्षा मंत्री राव उदयप्रताप सिंह से कार्यक्रम के उपरांत अतिथि शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष राहुल पाठक वरिष्ठ पदाधिकारी जीवेश चौरसिया एवं महिला इकाई की ब्लाक अध्यक्ष नेहा गुप्ता के नेतृत्व में अतिथि शिक्षको ने मुलाकात कर अपनी नियमितीकरण की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया। शिक्षा मंत्री को अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए बताया कि विगत 17 -18 वर्षों से हम लोग नियमितीकरण की आश को लेकर चिंतित बने हुए हैं। परंतु सरकार के द्वारा आज तक हम अतिथि शिक्षकों के लिए कोई स्थाई नीति नहीं बनाई गई है। इस वर्ष सत्र 2025 26 से सभी अतिथि शिक्षकों की हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज हो रही है। जिसमें तमाम विसंगतियों के कारण हाजिरी न लग पाने के कारण अतिथि शिक्षकों का वेतन आहरित नहीं हो पाता है। जबकि स्थाई शिक्षकों को पूर्ण वेतन का लाभ दिया जा रहा है। वहीं स्थाई शिक्षकों को मातृत्व अवकाश सी एल ए एल ओएल आदि विभिन्न प्रकार की सुविधा मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की जा रही है। परंतु अतिथि शिक्षकों को किसी शासकीय सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इन सभी बिंदुओं पर प्रदेश शिक्षा मंत्री ने गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट किया कि इस वर्ष अप्रैल माह से पुनः अतिथि शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करने जा रहे हैं। और आगामी समय में अतिथि शिक्षकों के वेतन में भी वृद्धि करने का विचार हमारी सरकार ने किया है। अब किसी भी अतिथि शिक्षक को अपने पद से पृथक नहीं किया जाएगा। यदि किसी अतिथि शिक्षक की जगह भर्ती हो जाती है तो उस अतिथि शिक्षक से पूरे वर्ष भर शासकीय सेवा का लिया जाएगा एवं भर्ती प्रक्रिया में 50 प्रतिशत आरक्षण को भी बढ़ाने का विचार किया जा रहा है। अप्रैल माह से सभी अतिथि शिक्षकों को भी सीएल ए एल ओएल एवं मातृत्व अवकाश आदि की सुविधाओं का लाभ हमारी सरकार के द्वारा प्रदान किया जाएगा। सभी अतिथि शिक्षकों को अप्रैल माह से 12 माह का कार्यकाल का लाभ हमारी सरकार देने जा रही है। जिसे शीघ्र ही कैबिनेट में प्रस्ताव बनाकर हम लोग पारित कराने वाले हैं। सरकार अतिथि शिक्षकों के भविष्य के प्रति गंभीर है और आगामी समय में सरकार के द्वारा अतिथि शिक्षकों की भविष्य को लेकर जो बेहतर व्यवस्था हो सकेगी वह हम लोग प्रदान करेंगे। ज्ञापन अवसर पर संघ के ब्लॉक अध्यक्ष राहुल पाठक जीवेश चौरसिया नेहा गुप्ता अंकेश ठाकुर आभास जैन प्रणव उदेनिया अमरीश नामदेव रोशनी खरे कीर्ति तिवारी उत्तम काछी बीरबल पटेल कीर्ति पटेल संदीप पटेल हेमंत शुक्ला मेहरून निशा सहित अतिथि शिक्षक उपस्थित रहे।

इनामी फरार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थों एवं अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई की जा रहा है। बीते 8 जनवरी को थाना करेली अंतर्गत एक थार वाहन से लगभग 44 पेटी अवैध देशी शराब जब्त की जाकर आरोपी सुरेन्द्र लोधी निवासी केरपानी एवं सलीम खान निवासी मुशरान वन, नरसिंहपुर को गिरफ्तार किया गया था। मामले में आरोपी धनराज लोधी की संलिप्तता पाए जाने के फलस्वरूप तीनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 34 (2) आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। अपराध पंजीबद्ध होने की सूचना प्राप्त होते ही आरोपी धनराज लोधी फरार हो गया था। लंबे समय से फरार चल रहा शराब तस्कर धनराज लोधी पुलिस की पकड़ से लगातार दूर भाग रहा था तथा गिरफ्तारी से बच रहा था। फरार आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने एवं उस पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक द्वारा 1 रुपये के नगद इनाम की घोषणा की गई।

कर्मचारियों की कमी से जूझता तहसील कार्यालय तेंदूखेड़ा

किसानों एवं आम नागरिकों के कार्य हो रहे प्रभावित

तेंदूखेड़ा तहसील कार्यालय वर्तमान में कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा है। तहसील कार्यालय तेंदूखेड़ा में वर्तमान में 44 हल्के तीन राजस्व निरीक्षक मंडल विद्यमान है। 44 हल्कों में शासन के नियम अनुसार 44 पटवारी होने चाहिए किंतु वर्तमान में 35 पटवारी तहसील में कार्यरत हैं ।जिनमें से कुछ चिकित्सीय अवकाश पर एवं कुछ अन्य अवकाश पर है। कुल मिलाकर लगभग 30 पटवारी मैदानी अमले के रूप में हल्का में पदस्थ है। ऐसे में कुछ पटवारियों के पास एक से अधिक हल्के हैं। जिस कारण कार्य की अधिकता होने से किसानों के कार्य समय से नहीं हो पा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर राजस्व निरीक्षक मंडल तीन हैं। किंतु केवल दो राजस्व निरीक्षक यहां पर पदस्थ हैं। वो भी एक लंबे अरसे से प्रमोशन ना होने के कारण प्रभारी राजस्व निरीक्षक के रूप में उक्त पदों पर पदस्थ है। तहसील में कोई भी नियमित राजस्व निरीक्षक पदस्थ नहीं है। इतनी बड़ी तहसील में तीन राजस्व निरीक्षक मंडलों में एक भी नियमित राजस्व निरीक्षक का ना होना कहीं ना कहीं प्रशासनिक उदासीनता का द्योतक है। वर्तमान में भारत निर्वाचन आयोग का विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर का कार्य प्रचलन में है। जिसमें भी पटवारियों की नियमित ड्यूटी लगाई गई है। पहले ही मैदानी अमले के रूप में पटवारी की कमी बनी हुई थी। ऐसे में कुछ पटवारी जो एसआईआर के कार्य में लगे हुए हैं।मैदानी हल्का से हटकर एसआईआर का कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में शासन की मंशा अनुरूप तहसील में पटवारी द्वारा विभिन्न कार्य संपादित किया जा रहे हैं। जैसे फार्मर रजिस्ट्री सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण सीमांकन कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में बोर्ड परीक्षा में ड्यूटी नामांतरण बटवारा चिनकी बोरास बैराज परियोजना अंतर्गत नर्मदा किनारे के गांवों में नर्मदा जलस्तर बढ़ने से निजी भूमि के अर्जन संबंधी कार्य पी एम किसान योजना सी एम किसान योजना का क्रियान्वयन नगरी क्षेत्र में आवासीय पटटो का सत्यापन शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाना विभिन्न विभागों की शासकीय भूमि का चिन्हांकन पटवारी का सबसे अहम कार्य गिरदावरी और इनके साथ समय-समय पर सौंपें गए अन्य कार्य। सही मायनों में इन सभी कार्यों का संपादन तहसील स्तर से मैदानी अमले द्वारा ही किया जाता है। अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में भी कमी* अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय तेंदूखेड़ा में भी अनुभवी स्टाफ की कमी बनी हुई है। वहां पर भी किसानों को लंबे समय तक अपने प्रकरणों के निराकरणों में प्रतीक्षा करनी होती है। जिसके कारण लोगों में आक्रोश है। अभी कुछ समय पूर्व भारतीय किसान मजदूर संघ द्वारा अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हुए थे।जो की अनुविभागीय कार्यालय तेंदूखेड़ा के सामने ही था। उनके द्वारा भी अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय तेंदूखेड़ा में हो रहे कार्यों को लेकर प्रश्न चिन्ह खड़े किए गए हैं। विगत समय से चिनकी बोरास बैराज परियोजना का कार्य तहसील में प्रचलन में है किंतु अभी तक राजस्व विभाग के मैदानी अमले के पास यह जानकारी उपलब्ध नहीं है।